Media Release

एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने मनाया संस्थान निर्माण के चार दशकों का जश्न

- उद्यमिता विकास, शिक्षा, प्रशिक्षण और संस्थान निर्माण के **40** साल पूरे

गांधीनगर, **20** अप्रैल, **2023-** एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) का परिसर गुरुवार, **20** अप्रैल को एक ऐतिहासिक घटनाक्रम का साक्षी बना, जब संस्थान के परिसर में उद्यमिता शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान और संस्थान निर्माण के चार दशकों का जश्न मनाया गया। गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत इस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इस अग्रणी संस्थान की स्थापना **1983** में आईडीबीआई बैंक, आईएफसीआई, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और गुजरात सरकार के सहयोग से की गई थी।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री राकेश शर्मा, प्रेसिडेंट- ईडीआईआई और एमडी और सीईओ, आईडीबीआई बैंक लिमिटेड; डॉ. मिलिंद कांबले, ईडीआईआई गवर्निंग बोर्ड के सदस्य, अध्यक्ष, **40-**वर्षीय समारोह समिति और संस्थापक अध्यक्ष, डीआईसीसीआई; डॉ. शैलेन्द्र नारायण, ईडीआईआई गवर्निंग बोर्ड के सदस्य और पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, सिडबी, डॉ. सुनील शुक्ला, महानिदेशक-ईडीआईआई, और सरकार, कॉर्पोरेट्स और शिक्षा जगत के गणमान्य लोगों की मौजूदगी में हुआ।

इस अवसर पर माननीय राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत ने कहा, "डिग्री का मतलब कौशल और दक्षता हासिल करना नहीं है। भारत में **60** प्रतिशत युवाओं के पास डिग्री है, लेकिन फिर भी वे बाजार की मांगों को पूरा करने के लिए एकदम तैयार नजर नहीं आते। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों द्वारा दी जाने वाली डिग्री और बाजार में कौशल की आवश्यकता के बीच एक बड़ा विरोधाभास है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि युवा रचनात्मक नहीं हैं; वे अपना हुनर दिखा सकते हैं यदि उन्हें बेहतर सलाह दी जाती है, परामर्श दिया जाता है, प्रशिक्षित किया जाता है, और अच्छी तरह से तैयार किया जाता है। उन्हें नवाचारों और तकनीकी प्रगति के साथ कदम बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि वे अपनी ओर से बेहतर प्रदर्शन कर सकें। युवाओं को पूरी तरह प्रशिक्षित करने से संबंधित प्लेटफॉर्म की परिकल्पना नई शिक्षा नीति में भी की गई है। ऐसे प्लेटाफॉर्म ही देश को प्रगति की राह पर आगे ले जाएंगे, क्योंकि इनकी सहायता से ही हम अपनी युवा आबादी की प्रतिभा का बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे। मुझे खुशी है कि हमारे पास ईडीआईआई जैसे संस्थान हैं जो प्रशिक्षण और प्रेरणा के माध्यम से इस दिशा में प्रयासों को पूरा कर रहे हैं। ईडीआईआई को मेरी बधाई!"

भारत में मजबूत स्टार्टअप से संबंधित इकोसिस्टम पर टिप्पणी करते हुए श्री राकेश शर्मा, प्रेसिडेंट- ईडीआईआई और एमडी और सीईओ, आईडीबीआई बैंक लिमिटेड ने कहा, "वर्तमान दौर में हम देख रहे हैं कि लोगों का रुझान और विश्वास उद्यमिता में बढ़ रहा है। ऐसे अनेक युवा हैं, जो सिर्फ एक नौकरी चाहने की मानसिकता से मुक्त हो रहे हैं और नवीन रूप से सोचने और सस्टेनेबल स्टार्टअप शुरू करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। साल दर साल, हम ईडीआईआई के पीजी और

अन्य कार्यक्रमों के लिए नामांकन करने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि देखते हैं। अन्य संस्थानों और विश्वविद्यालयों ने भी आज उद्यमिता से संबंधित पाठ्यक्रम शुरू कर दिए हैं, और यह स्थिति उद्यमिता को एक जागरूक करियर विकल्प बनाने की दिशा में ईडीआईआई के योगदान के बारे में बहुत कुछ बताती है।"

डॉ. मिलिंद कांबले, ईडीआईआई गवर्निंग बोर्ड के सदस्य, अध्यक्ष, **40**-वर्षीय समारोह समिति और संस्थापक अध्यक्ष, डीआईसीसीआई ने समावेशी विकास के महत्व पर जोर देते हुए कहा, "उद्यमिता की प्रक्रिया दरअसल समावेशी विकास को बढ़ावा देने में मदद करती है जो भारत की जरूरत भी है। सफल उद्यमिता का मतलब हमेशा कस्बों और शहरों में बड़े उद्योग या निर्माण इकाइयां नहीं होता है, इसका मतलब भारत के गांवों में रहने वाले लोगों, वंचितों, दिव्यांगों और महिलाओं के लिए अवसर उपलब्ध कराना भी होता है, तभी कोई देश तरक्की कर सकता है। उद्यमिता लोगों को विकास में शामिल करने का अवसर देती है। ईडीआईआई ने अपने प्रयासों के माध्यम से इसे प्रदर्शित किया है।"

अपने संबोधन में डॉ. सुनील शुक्ला, महानिदेशक–ईडीआईआई ने कहा, "ईडीआईआई की स्थापना ऐसे समय में की गई थी, जब यह माना जाता था कि उद्यमिता को सिखाया नहीं जा सकता। **40** साल बाद जब हम 'मेड इन इंडिया' टैग देखते हैं, तो हमें बहुत अच्छा लगता है, क्योंकि यह एक सम्मानित ब्रांड बन चुका है, जो गुणवत्ता और विश्वसनीयता का भरोसा दिलाता है। ईडीआईआई ने भारतीय उद्यमियों को यहां तक लाने में अहम भूमिका निभाई है। यह देखते हुए कि आज उद्यमिता को बहुत महत्व दिया जाने लगा है और सरकार भी उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है, वह दिन दूर नहीं जब भारत को उद्यमशीलता और स्टार्टअप स्थलों में से एक के रूप में जाना जाएगा।"

उत्सव के हिस्से के रूप में, संस्थान ने अपनी **40** साल की यात्रा पर आधारित एक पुस्तक और ईडीआईआई के विभिन्न कार्यक्षेत्रों और इसकी उपलब्धियों पर प्रकाश डालने वाली एक फिल्म का विमोचन भी किया। गणमान्य लोगों ने ईडीआईआई से प्रशिक्षित कारीगरों, इंक्यूबेटर्स और दिव्यांगों द्वारा लगाई गई एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया

<u>About Entrepreneurship Development Institute of India (EDII)</u>

The Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad was set up in 1983 as an autonomous and not-for-profit Institute with support of apex financial institutions - the IDBI Bank Ltd., IFCI Ltd., ICICI Bank Ltd. and State Bank of India (SBI). The Government of Gujarat pledged twenty-three acres of land on which stands the majestic and sprawling EDII Campus. EDII has been recognized as the CENTRE OF EXCELLENCE by the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship, Govt. of India. The Institute has also been listed as the Institute of National Importance by the Education Department, Govt. of Gujarat.For more information visit: www.ediindia.org